फाइव-इन-वन: ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में

लेखक - संजय बारू (प्रतिष्ठित सदस्य, रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान, नई दिल्ली)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

द हिन्दू

16 नवंबर, 2019

"ब्रिक्स देशों को आगे बढ़ने के लिए अधिक कनेक्टिविटी और अधिक अंतर-समूह व्यापार की आवश्यकता है।"

विश्व अर्थव्यवस्था पर तूफान के बादल छा जाने से विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की प्रासंगिकता और इसकी व्यापार व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में ब्राज़ील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका (ब्रिक्स) के नेताओं का शिखर सम्मेलन किसी वरदान से कम सबित नहीं होगा। ब्रिक्स का गठन 2006 में किया गया था और तब से इसने अपने आलोचकों को गलत साबित किया है। भले ही ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका में सुस्त विकास और रूस द्वारा अधिक अनुमोदन से सुस्त मंदी के कारण ब्रिक्स के उद्देश्यों पर अंधकार छा गया हो, लेकिन भारत और चीन ने अपने विकास के साथ समूहीकरण को बढ़ावा दिया है और समूह ने समय के अनुसार बदलते हुए अपने लचीलापन को साबित किया है।

यहाँ तक कि एक ऐसे समय में जब पाँच देश राजनीतिक रूप से अलग-अलग दिशाओं में जा रहे हों, इन्होंने फिर भी बहुपक्षवाद पर ज़ोर देने के साथ दुनिया के आर्थिक भविष्य के लिए एक सामान्य दृष्टिकोण बनाने के तरीके पर कार्य किया है। विशेष रूप से भारत के लिए इस दृष्टिकोण की स्पष्टता एक ऐसे महत्त्वपूर्ण समय पर आई है जहाँ भारत स्वयं आर्थिक संकट का सामना कर रहा है और कई देशों के साथ बनते-बिगड़ते व्यापारिक संबंधों से परेशान है।

क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसीईपी) में शामिल होने के लिए समय पर मुद्दों को हल करने में अधिकारियों की विफलता ने कई सवालों को जन्म दिया है जिनमें से एक प्रमुख सवाल यह है कि क्या भारत अपने बाज़ार उदारीकरण और व्यापार के लिए खुली अर्थव्यवस्था की नीति के विपरीत जा रहा है? यह सत्य है कि श्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिक्स मंच का उपयोग भारत को आरसीईपी में वापस लाने के उद्देश्य से वार्ता को जारी रखने के लिए और वित्त मंत्रियों के नेतृत्व में हाल ही में शुरू किए गए तंत्र के माध्यम से अपने व्यापार के मुद्दों को हल करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किया है।

ब्रिक्स देशों ने 'नियम-आधारित, पारदर्शी, गैर-भेदभावपूर्ण, मुक्त और समावेशी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार' के लिए एक विज़न भी प्रस्तुत किया है और साथ ही इन्होंने ब्रिक्स के नेतृत्व वाले न्यू डेवलपमेंट बैंक और ब्रिक्स व्यापार परिषद की सराहना करते हुए यह कहा है कि ब्रिक्स देश पिछले एक दशक में विकास के प्रमुख चालक रहे हैं और 'वैश्विक उत्पादन के एक तिहाई के करीब' का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अब सवाल उठता है कि फिर भी ब्रिक्स क्यों अपने उद्देश्यों में उतना सफल नहीं हो सका है जितना उसे होना चाहिए। देखा जाये तो ब्रिक्स संस्थापक पाँच देशों के बीच अन्योन्याश्रय संबंध में कमी के कारण ही विफल हुआ है। ऐसा इसलिए क्योंकि जहाँ ब्रिक्स वैश्विक आबादी का 40% हिस्सा शेयर करता है, वहीं इसकी इंट्रा-ब्रिक्स व्यापार अभी भी वैश्विक व्यापार का सिर्फ 15% ही है।
अब समय आ गया है कि ब्रिक्स अधिक कनेक्टिविटी और अधिक व्यापार पर ध्यान दे, जो ब्रिक्स देशों को वैश्विक मंच पर एक उचित स्थान, नेतृत्व करने की क्षमता और ऊर्जा प्रदान करेगा, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभदायक साबित होगा।

GS World टीम...

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2019

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राज़ील (Brazil) में 11वें ब्रिक्स सम्मेलन (BRICS summit) में भाग लेने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए।
- ब्रिक्स का ये सम्मेलन ब्राज़ील की राजधानी ब्राज़ीलिया में आयोजित हुआ है, जिसमें प्रधानमंत्री का मुख्य मुद्दा आतंकवाद विरोधी सहयोग बढ़ाने पर रहा।
- 11वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने प्रमुख क्षेत्रों में दुनिया की पाँच प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया।
- ब्रिक्स दुनिया की पाँच अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्थाओं- ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के समूह के लिये एक संक्षिप्त शब्द है।

संरचना

- यह अंतर्राष्ट्रीय अंतर-सरकारी संगठन नहीं है, न ही यह किसी संधि के तहत स्थापित हुआ है। इसे पाँच देशों का एकीकृत प्लेटफॉर्म कहा जा सकता है।
- ब्रिक्स देशों के सर्वोच्च नेताओं का तथा अन्य मंत्रिस्तरीय सम्मेलन प्रतिवर्ष आयोजित किये जाते हैं।

मुख्य विशेषताएँ

- ब्रिक्स देशों की जनसंख्या दुनिया की आबादी का लगभग 40% है और इसका वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सा लगभग 30% है।
- इसे महत्त्वपूर्ण आर्थिक इंजन के रूप में देखा जाता है और यह एक उभरता हुआ निवेश बाजार तथा वैश्विक शक्ति है।

पृष्ठभूमि

- BRICS की चर्चा वर्ष 2001 में गोल्डमैन सैक्स (Goldman Sachs) के अर्थशास्त्री जिम ओ' नील द्वारा ब्राजील, रूस, भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाओं के लिये विकास की संभावनाओं पर एक रिपोर्ट में की गई थी।
- वर्ष 2006 में चार देशों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की सामान्य बहस के अंत में विदेश मंत्रियों की वार्षिक बैठकों के साथ एक नियमित अनौपचारिक राजनयिक समन्वय शुरू किया।
- इस सफल बातचीत से यह निर्णय हुआ कि इसे वार्षिक शिखर सम्मेलन के रूप में देश और सरकार के प्रमुखों के स्तर पर आयोजित किया जाना चाहिये।

- पहला BRIC शिखर सम्मेलन वर्ष 2009 में रूस के येकतेरिनबर्ग में हुआ और इसमें वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में सुधार जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।
- दिसंबर 2010 में दक्षिण अफ्रीका को BRIC में शामिल होने के लिये आमंत्रित किया गया और इसे BRICS कहा जाने लगा।
- मार्च 2011 में दक्षिण अफ्रीका ने पहली बार चीन के सान्या में तीसरे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

उद्देश्य

- ब्रिक्स का उद्देश्य अधिक स्थायी, न्यायसंगत और पारस्परिक रूप से लाभकारी विकास के लिये समूह के साथ-साथ, अलग-अलग देशों के बीच सहयोग को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाना है।
- ब्रिक्स द्वारा प्रत्येक सदस्य की आर्थिक स्थिति और विकास को ध्यान में रखा जाता है ताकि संबंधित देश की आर्थिक ताकत के आधार पर संबंध बनाए जाएँ और जहाँ तक संभव हो सके प्रतियोगिता से बचा जाए।
- ब्रिक्स विभिन्न वित्तीय उद्देश्यों के साथ एक नए और आशाजनक राजनीतिक-राजनयिक इकाई के रूप में उभर रहा है, जो वैश्विक वित्तीय संस्थानों में सुधार के मूल उद्देश्य से परे है।

सहयोग के क्षेत्र

- **आर्थिक सहयोग**- ब्रिक्स देशों में कई क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग की गतिविधियों के साथ-साथ व्यापार और निवेश तेजी से बढ़ रहा है।
- ब्रिक्स समझौतों से आर्थिक और व्यापारिक सहयोग, नवाचार सहयोग, सीमा शुल्क सहयोग, ब्रिक्स व्यापार परिषद्, आकस्मिक रिज़र्व समझौते और न्यू डेवलपमेंट बैंक के बीच रणनीतिक सहयोग आदि सामने आए हैं।
- ये समझौते आर्थिक सहयोग को मजबूत करने और एकीकृत व्यापार तथा निवेश बाज़ारों को बढ़ावा देने के साझा उद्देश्यों की प्राप्ति में योगदान देते हैं।
- **पीपल-टू-पीपल एक्सचेंज**- ब्रिक्स सदस्यों ने पीपल-टू-पीपल एक्सचेंज को मजबूत करने और संस्कृति, खेल, शिक्षा, फिल्म आदि क्षेत्रों तथा युवाओं में निकट सहयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता को पहचाना है।
- पीपल-टू-पीपल एक्सचेंज द्वारा ब्रिक्स सदस्यों के बीच खुलापन, समावेशिता, विविधता और सीखने की भावना आदि मामलों में संबंधों के मजबूत होने की अपेक्षा की जाती है।
- पीपल-टू-पीपल एक्सचेंज में यंग डिप्लोमेट्स फोरम, पार्लियामेंट्री फोरम, ट्रेड यूनियन फोरम, सिविल ब्रिक्स के साथ-साथ मीडिया फोरम भी शामिल हैं।
- **राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग**- ब्रिक्स सदस्यों के राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग का उद्देश्य विश्व को शांति, सुरक्षा, विकास और अधिक न्यायसंगत एवं निष्पक्ष बनाने में सहयोग करना है।
- ब्रिक्स सदस्य देशों की घरेलू और क्षेत्रीय चुनौतियों के लिये साझा नीतिगत सलाह तथा सर्वोत्तम कार्यों के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करता है।
- यह वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था के पुनर्गठन पर बल देता है ताकि यह बहुपक्षवाद पर आधारित हो एवं अधिक संतुलित हो।
- दक्षिण अफ्रीका की विदेश नीति की प्राथमिकताओं के लिये ब्रिक्स को एक माध्यम के रूप में उपयोग किया जाता है जिसमें अफ्रीकी एजेंडा और दक्षिण-दक्षिण सहयोग शामिल हैं।
- **सहयोग तंत्र**- सदस्यों के बीच निम्नलिखित माध्यमों से सहयोग किया जाता है। राष्ट्रीय सरकारों के बीच औपचारिक राजनयिक जुड़ाव। सरकार से संबद्ध संस्थानों के माध्यम से संबंध, उदाहरण के लिये राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम और व्यापार परिषद्। सिविल सोसायटी और पीपल-टू-पीपल कॉन्टेक्ट।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. **ब्रिक्स से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-**

1. ब्रिक्स का गठन 2006 में किया गया था।
2. वैश्विक आबादी का 40% हिस्सा ब्रिक्स देशों से है।
3. वैश्विक व्यापार में ब्रिक्स देशों का 14% योगदान है।
4. 11वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन ब्राजील में किया गया।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) 1, 2 और 3

(b) 2, 3 और 4

(c) 1, 2 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

Expected Questions (Prelims Exams)

1. Consider the following statements related to BRICS: -

1. BRICS was formed in 2006.

2. 40% of the global population is from BRICS countries

3. BRICS countries contribute 14% in global trade.

3. 11th BRICS Summit was held in Brazil..

Which of the above statements are correct?

(a) 1, 2 and 3

(b) 2, 3 and 4

(c) 1, 2 and 4

(d) 1, 2, 3 and 4

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: 'वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में छायी मंदी और मौजूद अव्यवस्था के दौर में ब्रिक्स का महत्व आर्थिक इंजन के रूप में अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।' आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं? अपने मत के पक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए। (250 शब्द)

The importance of BRICS as an economic engine is very important in the times of eonomic slowdown and present chaos in the current global system. To what extent do you agree with this statement? Give an argument in favor of your opinion. (250 words)

नोट : 15 नवम्बर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1 (a) होगा।